



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 3]
No. 3]

नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 21, 1989/माघ 1, 1910
NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 21, 1989/MAGHA 1, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 4 PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किए गए संविधिक नियम और आदेश
Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

(नौसेना शाखा)

नई दिल्ली, 28 दिसम्बर, 1988

का.नि.आ. 363-केन्द्रीय सरकार, नौसेना अधिनियम, 1957
(1957 का 62) की धारा 184 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते
हुए, नौसेनिक समारोह, सेवा की शर्तें और प्रकीर्ण विनियम, 1963 का
और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है अर्थात् :-

1.(1) इन विनियमों का संक्षिप्त नाम नौसेनिक समारोह, सेवा की
शर्तें और प्रकीर्ण (द्वारा संशोधन) विनियम, 1988 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नौसेनिक समारोह, सेवा की शर्तें और प्रकीर्ण विनियम, 1963
में :

(1) विनियम 269 में,

(क) उपविनियम (1क) के खंड (क) में,

“शिल्पी प्रशिक्षुओं” शब्दों का लोप किया जाएगा।

(ख) खंड (क) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतः स्थापित
किया जाएगा, अर्थात् :-

“(कक) शिल्पी प्रशिक्षुओं और सीधे प्रवेशी (डिप्लोमा
धारक) शिल्पी को 20 वर्ष की ऐसी अवधि के लिए
अभ्यावेशित किया जा सकेगा जो अभ्यावेशन की तारीख
से या 17 वर्ष की आयु प्राप्त करने की तारीख से
इनमें से जो बाद में हो, पूरी की जा सकेगी, परन्तु
यह तब जब उनकी सेवा इतनी लंबी अवधि तक के
लिए अपेक्षित हो।”

(ग) खंड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा,
अर्थात् :-

“(ख) यथास्थिति 15 वर्ष या 20 वर्ष के प्रारंभिक
आबंध वाले सभी नए प्रवेशी, इस घोषणा पर हस्ताक्षर
करेंगे कि उन्हें निर्मोचन के पश्चात् इतर-शिल्पियों की
दशा में दो वर्ष और शिल्पियों की दशा में तीन वर्ष तक
जब सेवा में वापस बुलाया जा सकता है।”

[नौसेना मुख्यालय मामला सं. भार. पी/4108]

पी. राय, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 4th January, 1989

S.R.O. 2.—In exercise of the powers conferred by sub-sections (1) and (1A) of section 12 of the National Cadet Corps Act, 1948 (31 of 1948), the Central Government hereby notifies the appointment of Shri Ajay Mushran as a member of the Central Advisory Committee for the National Cadet Corps and for that purpose amends the notification of the Government of India in the Ministry of Defence S.R.O. 76(E) dated the 10th October, 1983, as follows, namely :—

In the said notification, under the heading "under clause (i) of sub-section (1) of section 12", for entry (13), the following entry shall be substituted, namely :—

"(13) Shri Ajay Mushran, Member of Parliament (Lok Sabha) elected with effect from the 28th November, 1988.....Member".

[No. 11(17)/81/D(GS-VI)]

H. D. SINHA, under Secy.

Note :—The principal notification of the Government of India in the Ministry of Defence SRO No. 76(E) dated the 10th October, 1983, has been subsequently amended by —

Sl No.	SRO No and date
1.	52 dated 31st January, 1984.
2	198 dated 21st September, 1984
3.	290 dated 18th August, 1986.
4	146 dated 1st April, 1987
5	154 dated 24th April, 1987.
6	298 dated 25th September, 1987.
7	401 dated 31st December, 1987.
8	107 dated 27th April, 1988.
9.	229 dated 19th September, 1988.